नईदुनिया

झाबुआ : अवैध शराब का कारोबार : नकली को असली बनाकर बेच रहे लोग

Publish Date: | Fri, 15 Jan 2021 07:04 PM (IST)

जहरीली शराब से मुरैना में हुई मौतों के बाद प्रदेश में हंगामा मचा हुआ है। झाबुआ जिले का पेटलावद भी अवैध शराब और नकली शराब के कारोबार के मामले में मुरैना से पीछे नहीं है। क्षेत्र में कई जगह नकली शराब बनाने के कारखाने खुल गए हैं, जो हूबहू शराब तैयार कर मार्केट में कम कीमत पर विक्रय करते हैं।

पेटलावद (नईदुनिया न्यूज)। जहरीली शराब से मुरैना में हुई मौतों के बाद प्रदेश में हंगामा मचा हुआ है। झाबुआ जिले का पेटलावद भी अवैध शराब और नकली शराब के कारोबार के मामले में मुरैना से पीछे नहीं है। क्षेत्र में कई जगह नकली शराब बनाने के कारखाने खुल गए हैं, जो हूबहू शराब तैयार कर मार्केट में कम कीमत पर विक्रय करते हैं। शराब कारोबारी आबकारी विभाग और पुलिस को पीछे छोड़ देते हैं। इन दिनों नगर में अवैध शराब का कारोबार करने वाले लोगों के एक दर्जन से अधिक सोशल मीडिया पर ग्रुप चल रहे हैं। इन ग्रुपों से जुड़े लोग अपनी शराब की बुकिंग कर देते हैं जिसकी आसानी से होम डिलीवरी कर दी जाती है।

शुक्रवार को पेटलावद क्षेत्र के बामनिया, ठिकरिया, सारंगी, नगर के सुभाष मार्ग, नई बस्ती आदि स्थानों पर आबकारी विभाग ने छापामार कार्रवाई कर कुल 10 प्रकरण बनाए, लेकिन इन प्रकरणों में 131 लीटर हाथभट्टी मदिरा, 10 लीटर ताड़ी ही जब्त की जिसकी कीमत 27 हजार 200 रुपये आंकी गई है।

कुछ समय पहले आबकारी विभाग की जिले की टीम ने पेटलावद में ऐसे शराब के मिनी कारखानों में छापा मारा था, जहां से हजारों लीटर शराब और उसे बनाने की सामग्रियां जब्त की थी। यह कारोबारी बड़ी मात्रा में ढक्कन, लेबल व होलोग्राम आदि सभी सामग्रियां रखते हैं और हूबहू देशी मदिरा प्लेन, मसाला आदि शराब का निर्माण करके गांव-गांव बेचते हैं। इस नकली शराब से लोगों की जान से खिलवाड़ हो रहा है।

लंबे समय से पेटलावद क्षेत्र में ब्रांडेड बोतल में नकली शराब की पैकिंग कर आसपास के क्षेत्र में सप्लाई की जाती रही है। लंबे अर्से से चल रहे इस धंधे से आबकारी विभाग अनजान है। पैकिंग मशीन और सील मशीन से नकली देशी शराब को असली की तरह बना दिया जाता है। देखने में असली और नकली की पहचान करना मुश्किल होता, मगर स्वाद से उसकी पहचान की जा सकती थी।

डाक्टरों का कहना है कि डुप्लीकेट शराब का सेवन स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। इसके सेवन से अंधता, हेपेटाइटिस, लीवर और ब्रेन में गंभीर बीमारी हो सकती है। इतना ही नहीं मौत हो सकती है।

कार्रवाई की जाती है

आबकारी उपनिरीक्षक योगेश दायमा का कहना है कि लगातार क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों पर कार्रवाई की जा रही है। अगर नकली शराब बनाने के कारखानों की सूचना हमें मिलेगी तो जरूर कार्रवाई की जाएगी।

Source: https://www.naidunia.com/madhya-pradesh/jhabua-jhabua-illegal-liquor-business-people-selling-fake-being-made-real-6652926